राजस्थान पत्रिका

5/1/2017

किसानों को मिले अनुसंधानों का लाभ

राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेले का आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

मालपुरा अविकागनर संस्थान के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते डॉ. गुरबचन सिंह तथा उपस्थित लोग।

मालपुरा. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के 56 वें स्थापना दिवस पर बुधवार को राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेले का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक चयन मण्डल नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह ने संस्थान द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों की सराहना की। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों तक इसका लाभ पहुंचाने को कहा।

उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा भेड़ पालन के क्षेत्र में अपनाई गई नई तकनीकी व कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने का प्रयास करना होगा। इससे प्रधानमंत्री की मंशानुसार किसानों की आमदनी दोगुनी होगी। केन्द्र सरकार द्वारा किसानों व पशुपालकों के हितों के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। अब पशुओं का भी बीमा होगा। मात्र 80 रुपए के प्रीमियम पर किसानों को चार लाख का मुआवजा मिलेगा।

अध्यक्षता करते हुए संस्थान निदेशक डॉ. एसएमके नकवी ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुपालन के क्षेत्र में संस्थान ने जो तकनीकी विकसित की है वह पशुपालकों सहित युवाओं के रोजगार की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगी। पशुपालन क्षेत्र से देश में 6 मिलियन लोगों को रोजगार मिला हुआ है। समारोह को केन्द्रीय ऊन विकास मण्डल जोधपुर के प्रतिनिधि जी.के. मीणा, राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान बीकानेर के निदेशक डॉ. एन.वी. पाटील, राष्ट्रीय बीजीय मसाला केन्द्र तबीजी के निदेशक डॉ. गोपाल लाल, डॉ. आर. एन. भट्ट ने भी सम्बोधित किया।

अतिथियों ने संस्थान के विभिन्न सेक्टर का भ्रमण कर अनुसंधानों की जानकारी ली। इससे पहले मुख्य अतिथि ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित वार्षिक भेड़-पालन कार्यक्रम, सवाल-जवाब पुस्तक, नए उत्पाद अविकासिल एवं अविकामिक्स स्मारिका का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुणकुमार तोमर व राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक मुरारीलाल गुप्ता ने किया। पीआर सेल प्रभारी डॉ. आर. के. शर्मा व डॉ. जी. एल. बागड़ी ने आभार जताया। समारोह में दुर्गालाल नामा ने राजस्थानी गीत की प्रस्तुति दी।

राजस्थान
दिनांक - 5/1/2017

'उन्नत नस्ल के भेड़, बकरी किसानों के एटीएम

- 'जागरूक पशुपालक व किसान ही तरक्की का पथ दर्शक'
- 'मंदबुद्धि बच्चों के विकास में ऊटनी का दूध लाभदायक'
- एक हजार से अधिक मवेशी पालकों ने मेले में भाग लिया

अविकानगर में डॉ. गुरूवचन सिंह व अन्य अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन किया।

मालपुरा, (निसं.)। केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के 56वें स्थापना दिवस पर बुधवार को राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेले का कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ.गुरूवचन सिंह ने विधिवत फीता काट शुभारम्भ किया। डॉ. गुरूवचन सिंह ने अपने उद्बोधन में उपस्थित किसानों व मवेशी पालकों को संदेश देते हुए कहा कि जागरूक पशुपालक व उन्नत किसान ही सही मायने में देश की तरक्की का पथ दर्शक है।

सिंह ने किसान व पशुपालकों के हित में कार्यरत अविकानगर संस्थान की उपलब्धियों व शोध कार्यों की जमकर सराहना करते हुए उन्नत नस्ल के भेड एवं बकरी सहित अन्य मवेशियों को किसानों का एटीएम बताया। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित की गई तकनीकों से किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित कर आर्थिक स्तर ऊंचा करने की बात कही। अध्यक्ष सिंह ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली सहित नाबार्ड के सहयोग से योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए अविकानगर को हरसंभव मदद देने का भरोसा दिलाया।

समारोह में केन्द्रीय ऊन विकास मंडल के सहायक निदेशक जीके मीणा व प्रतिनिधि डॉ.पाटिल, राष्ट्रीय बीजीय मसाला केन्द्र तबीजी निदेशक डॉ.गोपाल लाल, राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान बीकानेर निदेशक डॉ.एन.वी.पाटिल सहित क्षेत्रीय किसान नेता छोगालाल गुर्जर ने शिरकत की। राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान बीकानेर निदेशक डॉ.एन.वी.पाटिल ने बताया कि मंदबुद्धि के बच्चों के समुचित विकास के लिए ऊटनी का दूध लाभदायक है। केन्द्रीय ऊन विकास मंडल के सहायक निदेशक जीके मीणा ने बताया कि संस्थान को विभिन्न शोध कार्यो के लिए 30 करोड रूपयो का अनुदान दिया गया है। समारोह में देशभर से करीब एक हजार से अधिक मवेशी पालकों व किसानों ने मेले में भाग लिया। अतिथियों ने प्रदर्शनी में लगाई गई स्टॉल का निरीक्षण किया।

कार्यक्रम अध्यक्ष संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम.के.नकवी ने अब तक 56 वर्षो में संस्थान द्वारा पशु विकास, चारा एवं चरागाह, भेड-बकरी विकास एवं मांस उत्पादन अन्य कई उपलब्धियां अर्जित कर 56 गांवों में किसानों व पशुपालकों से सीधा सम्पर्क बना उन्हे लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवस पर मुख्य अतिथियों ने संस्थान की अ से तैयार की गई वार्षिक भेड़ पाल कार्यक्रम, पुस्तक सवाल-जवा अविकासिल एवं अविकामिक्स जै विभिन्न स्मारिकाओं एवं वार्षि कैलेण्डर का विमोचन भी किय समारोह में वर्ष के दौरान श्रेष्ठ कार्य क वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों सम्मान किया गया। कार्यक्रम संचालन डॉ.तोमर ने किया। कार्यक्र में क्षेत्रीय विशिष्टजन मौजूद रहे।

दैनिक नवज्योति
81
सवाई माधोपुर •

5/1/2017

नवीन तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर करें उत्थान: डॉ. सिंह

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मालपुरा

अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष डॉ. गुरूवचन सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक की मेहनत तब ही सफल मानी जा सकती है जब नवीन तकनीकों को किसानों एवं पशुपालकों तक पहुंचा कर इनका हर प्रकार से उत्थान हो सके। डॉ. सिंह बुधवार को केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानरगर के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेले के उद्घाटन के बाद आयोजित समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा भेड़ पालन के क्षेत्र में अपनाई गई नई तकनीकी व कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने का प्रयास करना होगा, जिससे प्रधानमंत्री की मंशानुसार किसानों की आमदनी को दोगुना किया जा सके।

केन्द्र सरकार द्वारा किसानों व पशुपालकों के हितों के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है पशुओं का भी बीमा होगा। जिससे मात्र 80 रुपए की प्रिमियम पर किसानों को चार लाख का मुआवजा मिलेगा। अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह ने संस्थान द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक किसानों तक इसका लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान निदेशक डॉ. एस.एम.के. नकवी ने कहा कि संस्थान वर्तमान में 54 गांवों में संचालित है पशुपालन के क्षेत्र में संस्थान ने जो तकनीकी विकसित की है वह पशुपालकों सहित युवाओं के रोजगार की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगी। पशुपालन क्षेत्र से देश में 6 मिलीयन लोगों को रोजगार मिला हुआ है।समारोह को केन्द्रीय ऊन विकास मण्डल जोधपुर के प्रतिनिधि जी. के. मीणा, राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान संस्थान बीकानेर के निदेशक डॉ. एन. वी. पाटील, राष्ट्रीय बिजीय मसाला केन्द्र तबीजी के निदेशक डॉ. गोपाल लाल, डॉ. आर. एन. भट्ट ने भी सम्बोधित किया। अतिथियों ने संस्थान के विभिन्न सेक्टरों का भ्रमणकर अनुसंधानों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इससे पूर्व मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया व प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित वार्षिक भेड़-पालन कार्यक्रम, सवाल जवाब पुस्तक व नए उत्पाद अविकासिल एवं अविकामिक्स स्मारिका का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण कुमार तोमर व राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक मुरारीलाल गुप्ता ने किया। पीआर सेल प्रभारी डॉ. आर. के. शर्मा व डॉ. जी. एल. बागड़ी ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। समारोह के दौरान संस्थान में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों साहित क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। समारोह के प्रारम्भ में सभी अतिथियों का संस्थान की ओर से स्वागत सम्मान किया गया और समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सौंपा ज्ञापन : समारोह के दौरान डीआर रहे एवं किसान नेता छोगालाल गुर्जर ने किसानो के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य अतिथि से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा जिसमें क्षेत्र किसानों एवं पशुपालकों की दयनीय दशा का हवाला देकर केन्द्र सरकार ने किसानों एवं पशुपालकों के उत्थान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग रखी, जिस पर मुख्य अतिथि ने किसान नेता से मुख्यालय आकर मिलने के बाद समस्याओं का हर प्रकार से हल करवाने का आश्वासन दिया।

दैनिक भास्कर 5/1/2017

स्थापना दिवस केंद्रीय भेड़ एवं ऊन संस्थान का 56वां स्थापना दिवस समारोह

आर्थिक विकास के लिए पशुपालन युक्त कृषि जरूरी

भास्कर न्यूज | मालपुरा

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के 56वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए देश के प्रमुख वैज्ञानिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली चयन समिति अध्यक्ष डॉ. गुरुबचन सिंह ने कहा है कि बदलते परिप्रेक्ष्य में किसानों के तेजी से आर्थिक विकास के लिए पशुपालन युक्त कृषि पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

डॉ. गुरुबचन सिंह अविकानगर संस्थान में बुधवार को आयोजित संस्थान के 56वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि किसानों, पशुपालकों व वैज्ञानिकों तथा महिला कृषकों को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने भेड़ व ऊन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसएमके नकवी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह ऊंची सोच के निदेशक है जो किसानों पशुपालकों के साथ मिलकर स्थापना दिवस मना रहें है । उन्होंने स्थापना दिवस को चिंतन दिवस बताया । उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक किसानों व पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए लगातार शोध कर रहें है लेकिन किसानों, पशुपालकों को भी चाहिए कि वे वैज्ञानिकों द्वारा शोधित नई तकनीक को अपना कर अपना विकास करें। चयन समिति अध्यक्ष डॉ. गुरुबचन सिंह ने संस्थान निदेशक के प्रयास से वेस्ट मैनेजमेंट प्रोक्टिस से आय वृद्धि तथा बेकार ऊन का उपयोग कर आय वृद्धि करने के अलावा पानी का अच्छा उपयोग कर अधिक क्षेत्र की सिंचाई में वृद्धि सहित स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संस्थान में भेड़ बकरी सेक्टरों, फार्म हाउस में सफाई का खास तौर से ध्यान रखना यह सराहनीय कार्य है । इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा अविकानगर संस्थान के विभिन्न सेक्टरों व प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। संस्थान विदेशों में चर्चित-संस्थान निदेशक डॉ. एस एम के नकवी ने इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा की गई प्रगति का संक्षिप्त ब्योरा दिया।

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के 56वें स्थापना दिवस समारोह में अतिथियों ने विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया।

पशुपालक किसान हो संपन्न

संस्थान लगातार किसान व भेड़पालक पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है । निदेशक ने कहा कि किसान की प्रगति के बगैर देश आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने भी किसानों से कहा कि अब वे पशुपालन से जुड़ कर खेती करें जिससे तेजी से विकास हो सके । उन्होंने राज्य सरकार द्वारा भेड़ पालन व ऊन विकास पर ध्यान नहीं दिए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर अन्य योजनाओं की तरह भेड़ पालन व ऊन विकास पर ध्यान दिया जाए तो किसानों का भविष्य उज्जवल होगा । उन्होंने बताया कि आज भी भेड़ पालक की ऊन व भेड़ तथा मेमनों के उचित दाम नहीं मिलते है संगठित सहकारी समितियों की कमी के कारण दलाल फल फूल रहें हैसरकारी स्तर पर भी इनके व्यवसाय का कोई प्लेटफॉर्म नहीं है।